Sri Dhumavati Stotram

Sumit Girdharwal & Sri Yogeshwaranand Ji
9410030994, 9540674788
shaktisadhna@yahoo.com
www.yogeshwaranand.org

श्री धूमावती-स्तोत्रम्

भगवती धूमावती का यह स्तोत्र शत्रु-शमन, विघ्नादि का शमन तथा अशुभ ग्रहों के स्तम्भन और दारिद्रय का नाश करने के सन्दर्भ में अतीव प्रतिष्ठित है। जो साधक इस स्तोत्र का पाठ एकाग्रचित्त एवं समर्पित भाव से तीनों संध्याओं में करता है, उसके शत्रुगण उसे मूक होकर देखते रह जाते हैं। उसके सौभाग्य का उदय होता है और शत्रुगण का गर्व खण्डित होता है। सबसे बड़ी बात यह है कि भगवती की कृपा और सानिध्य उस सौभाग्यशाली को प्राप्त होता है।

प्रातर्या स्यात्कुमारी कुसुमकलिकया जापमाला जपन्ती,
मध्याह्ने प्रौढरूपा विकसितवदना चारूनेत्रा निशायाम्॥
सन्ध्यायां वृद्धरूपा गलितकुचयुगां मुण्डमालां वहन्ती,
सा देवी देवदेवी त्रिभुवन-जननी कालिका पातु युष्मान्॥१॥
वद्ध्वा खट्वांगकोटौ कपिलवर-जटामंडलं-पद्मयोनेः,
कृत्वा दैत्योत्तमांगैस्रजमुरसि-शिरः शेखरं ताक्ष्र्यपक्षैः॥
पूर्ण रक्तैस्सुराणां यम-महिष-महा-शृंगमादाय पाणौ,
पायाद्वो वन्द्यमान-प्रलयमुदितया भैरवः कालरात्र्याम्॥२॥

Shri Yogeshwaranand Ji & Sumit Girdharwal Ji
Mob - 9410030994, 9917325788
Email : shaktisadhna@yahoo.com , Web : www.yogeshwaranand.org

चर्वन्तीमस्थिखण्डं प्रकट-कट-कटा-शब्द-संघातमुग्रं,
कुर्वाणा प्रेतमध्ये कहह-कह-कहा-हास्यमुग्रङ्कृशांगी॥
नित्यन्नित्य प्रसक्ता डमरूडिमडिमां स्फारयन्ती मुखाब्जं,
पायान्नश्चण्डिकेयं झझमझमझमाजल्पमाना भ्रमन्ती॥३॥
टंटंटंटंटंटंटाप्रकरटमटमानादघण्टा वहन्ती,
स्फें स्फें स्फेंस्कारकारा टकटकितहसा नादसंघट्टभीमा॥
लोलण्मुण्डाग्रमाला ललहलहलहालोललोलाग्रवाचं,
चर्वन्तीं चण्डमुण्डं मटमटमटितैश्चर्वयन्ती पुनातु॥४॥
वामे कर्णे मृगांक प्रलय परिगतं दक्षिणे सूर्यबिम्बं,
कण्ठे नक्षत्रहारं वरविकटजटाजूट के मुण्डमालाम्॥
स्कन्धे कृत्वोरगेन्द्रध्वजनिकरयुतं ब्रह्मकंकालभारं,
संहारे धारयन्ती मम हरतु भयं भद्रदा भद्रकाली॥५॥
तैलाभ्यक्तकवेणी त्रपुमयविलसत्कर्णिकाक्रान्तकर्णा,
लौहेनैकेनं कृत्वा चरणनलिनकामात्मनः पादशोभाम्॥
दिग्वासा रासभेन ग्रसति जगदिदं या यवाकर्णपूरा,
वर्षिण्यातिप्रवृद्धा ध्वजवititभुजा सासि देवि त्वमेव॥६॥
संग्रामे हेतिकृत्तैः सरूधिरदशनैर्यद्भटानां शिरोभिर्माला-
माबद्ध्य मूर्ध्नि ध्वजवititभुजा त्वं श्मशाने प्रविष्टा॥
दृष्टा भूतप्रभूतैः पृथुतरज घनाबद्धनागेन्द्रकाञ्ची,
शूलाग्रव्यग्रहस्ता मधुरुधिरसदाताम्रनेत्रा निशायाम्॥७॥

Shri Yogeshwaranand Ji & Sumit Girdharwal Ji
Mob - 9410030994, 9917325788
Email : shaktisadhna@yahoo.com , Web : www.yogeshwaranand.org

दंष्ट्रारौद्रे मुखेऽस्मिस्तव विऽशति जगद्देवि सर्वं क्षणार्द्धात्,
संसारस्यान्तकाले नररुधिरवशासम्प्लवे धूमधूम्रे॥
काली कापालिकी सा शवशयनरता योगिनी योगमुद्रा,
रक्ता ऋद्धिः सभास्था मरणभयहरा त्वं शिवा चंडघंटा॥८॥
धूमावत्यष्टकं पुण्यं सर्वापद्धिनिवारकम्॥
यः पठेत्साधको भक्त्या सिद्धि विंदति वाञ्छिताम्॥९॥
महापदि महाघोरे महारागे महारणे॥
शत्रुच्चाटे मारणादौ जन्तुनां मोहने तथा॥१०॥
पठेत्स्तोत्रमिदं देवि सर्वत्र सिद्धिभाग्भवेत्॥
देवदानवगन्धर्वा यक्षराक्षसपन्नगाः॥११॥
सिंहव्याघ्रादिकाः सर्वे स्तोत्रस्मरणमात्रतः॥
दूराद्दरतरं यान्ति किं पुनर्मानुषादयः॥१२॥
स्तोत्रेणानेन देवेशि किं न सिद्ध्यति भूतले॥
सर्वशान्तिर्भवेद्देवि अन्ते निर्वाणतां व्रजेत॥१३॥

(इत्यूद्ध्वाम्नाये धूमावती स्तोत्रं समाप्तम्)

Shri Yogeshwaranand Ji & Sumit Girdharwal Ji
Mob - 9410030994, 9917325788
Email : shaktisadhna@yahoo.com , Web : www.yogeshwaranand.org

This Dhumavati Stotram is taken from the upcoming book - Sri Dhumavati Sadhana Aur Siddhi written by Sri Yogeshwaranand Ji & Sumit Girdharwal Ji.

Books Written By Sri Yogeshwaranand Ji & Sumit Girdharwal Ji

1. Mahavidya Sri Baglamukhi Sadhana Aur Siddhi - Rs 250/=
2. Baglamukhi Tantram - Rs 300/=
3. Sri Pratyangira Sadhana Rahasya - Rs 320/=
4. Agama Rahasya - Rs 400/=
5. Shatkarm Vidhaan - Rs 280/=
6. Kamakhya Sadhana Rahasya - Rs 360/=
7. Shodashi Mahavidya (Tripurasundari Sadhana and Yantra Pooja) Rs 270/=
8. Mantra Sadhana - Rs 180/=
9. Yantra Sadhana - Rs 300/=

You can order books online www.asthaprakashan.com or you deposit respective amount in below account -
Astha Prakashan Mandir
Axis Bank. 917020072807944 (Current Account)
IFSC Code – UTIB0001094.
You can also pay via paytm – 9540674788

Dear readers! Very soon we are going to start a free of Cost E-mail based monthly magazine related to tantras, mantras and yantras including practical uses for human welfare. It will be delivered to you in pdf format to your email id which you can read on any device and you can also take its print out. Please make registered to yourself and your friends. For registration email us at shaktisadhna@yahoo.com or sumitgirdharwal@yahoo.com . For more information visit us www.yogeshwaranand.org